>

Title: Need to construct a bridge each at Gosaibigha and Ohari Ghat on river Sakri in Nawada, Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): बिहार का नवादा जिलान्तर्गत रोह प्रखंड में गोसाईबीघा ओहारी घाट के मध्य अपर सकरी नदी झारखंड के पहाड़ी जंगलों से बहती हुई बरसात में बहुत ही विकराल रूप धारण करती है। इसके चलते प्रतिवर्ष लाखों की क्षति होती है, कटाव होते हैं और महिलाएँ, बच्चे, पुरूष प्रतिवर्ष दर्जनों की संख्या में डूबते-उतराते रहते हैं। यह नदी प्रतिवर्ष शोक नदी बनकर रह जाती है। इस नदी के दोनों किनारों के छोरों पर प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क संपर्क योजना की सड़क है, पर इसे जोड़ने के लिए अपर सकरी नदी में पुल अभी तक नहीं बना है। बिहार सरकार हजारों की संख्या में पुल और पुलिया, हजारों करोड़ रूपए की लागत लगाकर बना रही है पर अभी तक इस पुल का निर्माण शुरू भी नहीं किया गया है। इस पुल की लागत 31 करोड़ रूपये हैं। डीपीआर तैयार है। तकनीकी स्वीकृति प्राप्त है, पर कार्यान्वयन अभी शुरू नहीं हुआ है। प्रति वर्ष इस नदी की बाढ़ के कारण महीनों दारूण कंदन, बच्चों और महिलाओं के डूबने से इसकी आर्तनाद सुनाइ देती है। राज्य सरकार पुल बनने के मामले में निधि की कमी को कारण बताती है। यह चिंताजनक है और असहज स्थिति है। सैकड़ों बार पुल बनाने के लिए धरना-प्रदर्शन हुए पर कार्यान्वयन की स्थिति नहीं बनी। मैं इस दुखद परिस्थिति में केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास विभाग से आग्रह करता हूँ कि वह अपर सकरी नदी पर गोसाई बीघा और ओहारी घाट पर पुल बनाने का निर्णय करें, इसे कार्यान्वित करे और इसके बनने से जिले के तमाम प्रखंडों की दूरी 15 से 20 कि0मी0 कम हो जाएगी। मैं सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करता हूं।